भारत सरकार

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3064

11.03.2026 को उत्तर देने के लिए

पेरम्बलूर के लिए कृषि-तकनीकी नवाचार और भूजल मानचित्रण

†3064. श्री अरुण नेहरूः

क्या **विज्ञान और प्रौद्योगिकी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) ने कटाई के बाद के नुकसान को कम करने के लिए पेरम्बलूर क्षेत्र में छोटे प्याज और मक्का के लिए सटीक खेती पर कोई विशेष अध्ययन या प्रायोगिक परियोजना संचालित की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) तिरुचिरापल्ली-पेरम्बलूर क्षेत्र में स्थानीय विज्ञान-आधारित स्टार्टअप या नवोन्मेषकों को सहायता प्रदान करने के लिए विज्ञान धारा योजना के तहत आवंटित निधि का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने इसरो के राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र के माध्यम से पिछले 12 महीनों में सूखा संभावित थुरैयूर और पेरम्बलूर ब्लॉकों के लिए अद्यतन उच्च-रिजॉल्यूशन भूजल मानचित्रण आंकड़ा राज्य सरकार के साथ साझा किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या अनुसूचित जाति-आरक्षित विधान सभा क्षेत्रों में ग्रामीण छात्रों में साइंस टेक्नोलोजी इंजीनियरिंग गणित (स्टेम) शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए पेरम्बलूर में विज्ञान और प्रौद्योगिकी ग्रामीण आउटरीच केंद्र स्थापित करने की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय (टीएनएयू) में 2024-25 के दौरान पांच वर्षों के लिए जलवायु एवं आपदा प्रतिरोधी कृषि पर एक उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की है। केंद्र सरकार पेरम्बलूर जिले सहित तमिलनाडु राज्य में जलवायु परिवर्तन के अनुकूल प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन कर रही है, जैसे कि फसल और मौसम संबंधी एडवाइजरी, जलवायु परिवर्तन के अनुकूल फसल किस्में, जल संरक्षण भूमि विन्यास प्रौद्योगिकियां, मल्चिंग, फसल अवशेषों का पुनर्चक्रण, पोषक संबंधी अच्छी आदतें, सौर ऊर्जा से चलने वाले स्प्रेयर और वीडर। यह पेरम्बलूर जिले के 152 राजस्व गांवों को ग्राम स्तरीय मौसम पूर्वानुमान प्रदान कर रहा है। पूर्वानुमान में अगले 6 दिनों के लिए वर्षा, न्यूनतम और अधिकतम तापमान, हवा की गति और सापेक्ष आर्द्रता की जानकारी शामिल है। पेरम्बलूर जिले के कुल 1,198 किसान टीएनएयू-ऑटोमेटेड एग्रोमेट एडवाइजरी सर्विस (टीएनएयू-एएएस) के अंतर्गत पंजीकृत हैं और फसल और फसल के चरण के अनुसार मौसम आधारित कृषि संबंधी परामर्श प्राप्त करते हैं।

इसके अतिरिक्त, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (एमओएफपीआई) के अधीन भारतीय खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईएफपीटी), तंजावुर ने पेरम्बलूर के चेट्टीकुलम में एक 'छोटे प्याज' प्रसंस्करण इनक्यूबेशन केंद्र स्थापित किया है। यह फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम करता है, मूल्यवर्धन को बढ़ावा देता है, तथा किसानों/एफपीओ को उत्पादों की संभाल, प्रसंस्करण, निर्जलीकरण, पैकेजिंग और मूल्यवर्धित उत्पादों का प्रशिक्षण दिया जाता है, जिससे उनकी आय में वृद्धि और बाजार संबंधों को मजबूती मिलती है।

(ख) डीएसटी के राष्ट्रीय नवाचार विकास एवं दोहन पहल (निधि) कार्यक्रम के अंतर्गत, विज्ञान धारा योजना के अंतर्गत 4 स्टार्टअप/नवप्रवर्तकों को 94.2 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है।

(ग) भारत सरकार ने केंद्रीय भूजल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) के माध्यम से और इसरो-एनआरएससी के सहयोग से गतिशील भूजल संसाधन आकलन और मानचित्रण की प्रक्रिया को संस्थागत रूप दिया है। इसरो-एनआरएससी, भुवन-भुजल और भुवन जियोपोर्टल जैसे प्लेटफार्मों के माध्यम से, अधिकृत सरकारी उपयोगकर्ताओं को राष्ट्रव्यापी भूजल संभावना मानचित्रों और संबंधित डेटासेट तक पहुंच प्रदान करता है। जलशक्ति मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय जल सूचना केंद्र (एनडब्ल्यूआईसी), जल संसाधन विभाग, आरडी एंड जीआर तमिलनाडु के थुरैयूर और पेरम्बलूर ब्लॉक सहित भारतीय राज्यों में जल संसाधनों पर अद्यतन डेटा उपलब्ध कराता है। राज्य भूजल एवं सतही जल संसाधन डेटा केंद्र (एसजी एंड एसडब्ल्यूआरडीसी), जल संसाधन विभाग-थारामनी और केंद्रीय भूजल बोर्ड, दक्षिण पूर्वी तटीय क्षेत्र, चेन्नई ने फरवरी 2025 में "तमिलनाडु के गतिशील भूजल संसाधनों पर रिपोर्ट 2024" प्रकाशित की है। रिपोर्ट का मूल्यांकन: 1748243888161890443 6file.pdf लिंक पर उपलब्ध है।

(घ) तमिलनाडु राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद तमिलनाडु के ग्रामीण समुदायों में विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के लिए विज्ञान प्रदर्शनियों, नवाचार कार्यक्रमों जैसी पहलों को संचालित करती है। तमिलनाडु के उच्चतर शिक्षा विभाग के अंतर्गत तमिलनाडु विज्ञान और प्रौद्योगिकी केंद्र ने छात्रों को विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के बारे में सीखने और समझने में सुविधा प्रदान करने के लिए कोयंबटूर के क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र में 1.80 करोड़ रुपये और तिरुचिरापल्ली के अन्ना विज्ञान केंद्र-तारामंडल में 1.50 करोड़ रुपये की लागत से नवाचार केंद्र स्थापित किए हैं। दोनों नवाचार केंद्रों ने एसटीईएम रोबोटिक्स शिविरों का आयोजन किया है, जिसमें छात्रों को कोडिंग, 3डी प्रिंटिंग, रोबोटिक्स, ड्रोन और इलेक्ट्रॉनिक्स के बारे में सिखाया गया।

*****